

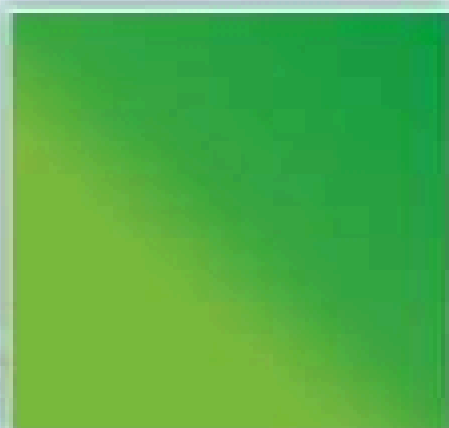
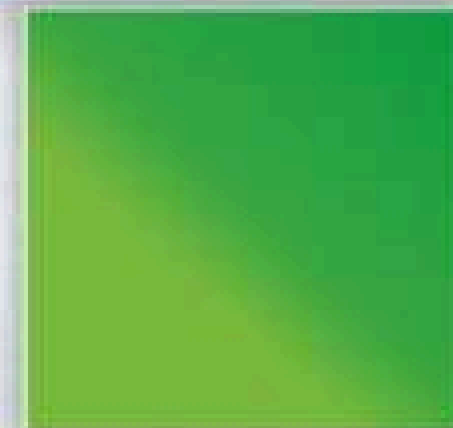
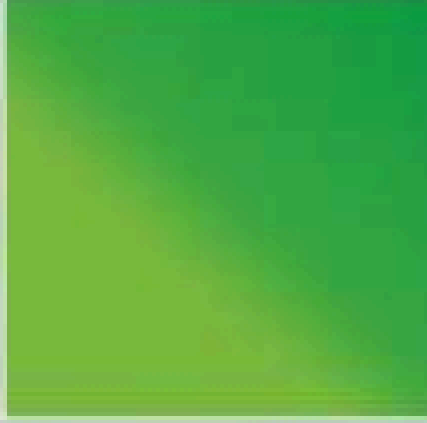


टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(अनुसूची 'ए', मिनी रत्न पीएसयू)
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)



गंगावतरणम् GANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका



दिसंबर, 2025



संपादकीय



प्रिय पाठकों,
टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की प्रगति केवल स्थापित संरचनाओं या भौतिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन लोगों के समर्पण, प्रतिबद्धता और सामूहिक सोच से आकार लेती है, जो प्रतिदिन संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में अपना योगदान देते हैं।

‘गंगावतरणम्’ का यह अंक ऐसे ही प्रयासों, सकारात्मक पहलों और साझा उपलब्धियों को रेखांकित करने का एक सार्थक प्रयास है, जिसके माध्यम से निगम निरंतर सुदृढ़ और प्रगतिशील बन रहा है।

विगत अवधि के दौरान निगम ने परियोजनाओं के क्रियान्वयन, मानव संसाधन विकास, खेल गतिविधियों, कॉर्पोरेट संचार तथा संगठनात्मक संस्कृति के विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। ये उपलब्धियाँ किसी एक इकाई, विभाग अथवा व्यक्ति तक सीमित न होकर, संगठन के प्रत्येक स्तर पर कार्यरत कर्मियों के समन्वित प्रयासों, परस्पर विश्वास और साझा उत्तरदायित्व का प्रतिफल हैं।

खेलों के क्षेत्र में अंतर-सीपीएसयू ब्रिज टूर्नामेंट में टीएचडीसी की पुरुष टीम द्वारा रजत पदक (द्वितीय पुरस्कार) अर्जित किया जाना हमारे कर्मियों की रणनीतिक सोच, एकाग्रता, धैर्य तथा सशक्त टीम भावना का प्रमाण है। इसी प्रकार, कॉर्पोरेट संचार के क्षेत्र में टीएचडीसीआईएल को ‘बेस्ट कम्युनिकेशन’ के लिए प्रतिष्ठित पीआर अवॉर्ड से सम्मानित किया जाना इस तथ्य को रेखांकित करता है कि संगठन की संवाद क्षमता, पारदर्शिता तथा हितधारकों से जुड़ाव निरंतर सशक्त एवं प्रभावी हो रहा है।

परियोजनाओं में तकनीकी उत्कृष्टता के साथ-साथ मानव संसाधन प्रबंधन एवं कर्मचारी-केंद्रित पहलों पर दिया जा रहा विशेष ध्यान यह सुनिश्चित करता है कि कार्यस्थल केवल दायित्व निर्वहन का स्थान न होकर सीख, संतुलन, नवाचार और व्यक्तिगत विकास का एक सशक्त मंच बने। प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, खेल एवं सहभागितापूर्ण गतिविधियाँ इसी समग्र और मानवीय दृष्टिकोण को साकार करती हैं, जो संगठन को दीर्घकालिक रूप से मजबूत बनाता है।

आज के तेजी से बदलते कार्य परिवेश में किसी संगठन की सफलता केवल आंकड़ों, परियोजनाओं की उपलब्धियों या पुरस्कारों से ही नहीं, बल्कि उस कार्य संस्कृति से भी परिभाषित होती है, जो अपने कर्मियों को आगे बढ़ने, निरंतर सीखने और पूरे विश्वास के साथ योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। टीएचडीसी की वास्तविक शक्ति उसकी टीम भावना, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और साझा उद्देश्य में निहित है।

‘गंगावतरणम्’ का यह अंक इन्हीं प्रयासों, अनुभवों और उपलब्धियों को समर्पित है। यह न केवल बीते समय की उपलब्धियों का दस्तावेज है, बल्कि भविष्य की दिशा, हमारी प्रतिबद्धताओं और सामूहिक संकल्पों का भी प्रतिबिंब है। आशा है कि यह अंक आपको संगठन से और अधिक जुड़ाव का अनुभव कराएगा, सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करेगा तथा सहभागिता और गर्व की भावना को और अधिक प्रबल करेगा।

आइए, हम सभी मिलकर इस यात्रा को निरंतर आगे बढ़ाएं, जहां प्रत्येक योगदान महत्वपूर्ण है और प्रत्येक प्रयास संगठन की सफलता की कहानी का हिस्सा है।

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक



मुख्य संरक्षक

श्री सिपन कुमार गर्ग
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादक

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
मुख्य महाप्रबंधक
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

उप संपादक

डॉ. काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग

श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक

श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी

श्री मनबीर सिंह नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

कौशांबी

श्री के. सूर्या मौली
सहायक प्रबंधक (मा.सं एवं प्रशा.)

खुर्जा

श्री प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी

श्री यतवीर सिंह चौहान, प्रबंधक (जनसंपर्क)
व श्री अविनाश कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

ऋषिकेश

श्री अभिषेक तिवारी
जनसंपर्क अधिकारी



अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का नववर्ष-2026 का संदेश

टीएचडीसी परिवार के मेरे प्रिय साथियों,

आप सभी को नव वर्ष 2026 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। मेरी कामना है कि यह नव वर्ष आप सभी के जीवन में उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और प्रसन्नता लेकर आए।

साथियों, नव वर्ष अपने साथ नई गति, नई दिशा और नई संभावनाओं का संदेश लेकर आता है। यह हमें आत्ममंथन कर नए संकल्पों और नए उत्साह के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान करता है। वर्ष 2025 हम सभी के लिए एकजुटता, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों का सशक्त प्रतीक रहा है, जिसके परिणामस्वरूप टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ अर्जित की। यह उपलब्धियाँ आप सभी के अथक परिश्रम, अपने कार्यों के प्रति समर्पण और संगठन के प्रति सतत निष्ठा का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। इसके लिए मैं आप सभी के योगदान की हृदय से सराहना करता हूँ। जैसा कि आप सभी को विदित है कि पिछले वर्ष टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की कुल संस्थापित क्षमता 1,587 मेगावाट थी। आज यह क्षमता बढ़कर 3,657 मेगावाट तक पहुँच चुकी है, जो एक वर्ष के भीतर प्राप्त की गई ऐतिहासिक और उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह प्रगति केवल आंकड़ों में वृद्धि तक सीमित नहीं, अपितु इसमें आप सभी की अथक मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता धरातल पर प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देती है।

गत वर्ष के दौरान टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की प्रमुख परियोजनाओं में समयबद्ध एवं उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई। देश की पहली स्पीड वैरिएबल टरबाइन पम्प स्टोरेज परियोजना, 4×250 मेगावाट टिहरी पम्प स्टोरेज प्लांट की चार में से तीन यूनिटों का वाणिज्यिक संचालन जून, जुलाई एवं दिसंबर, 2025 में सफलतापूर्वक आरंभ किया गया है। वर्ष 2026 में चौथी एवं अंतिम इकाई के कमीशन होने के साथ ही, टिहरी हाइड्रो पावर कॉम्प्लेक्स अपनी पूर्ण क्षमता 2400 मेगावाट के साथ राष्ट्र के ऊर्जा विकास में और अधिक सशक्त योगदान देगा।

जलविद्युत क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति के साथ-साथ, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने थर्मल ऊर्जा क्षेत्र में भी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। संगठन की प्रथम थर्मल विद्युत परियोजना, 1320 मेगावाट की खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्लांट की दोनों इकाइयों का सफलतापूर्वक कमीशन किया जाना, टीएचडीसी की तकनीकी दक्षता एवं बहुआयामी क्षमताओं का सशक्त प्रमाण है। इस परियोजना के लिए मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में स्थित अमेलिया कोल माइन से निरंतर कोयला आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जहाँ फरवरी 2023 से अब तक लगभग 8 मिलियन मीट्रिक टन कोयले का निष्कर्षण किया जा चुका है।

इन परियोजनाओं की सफल कमीशनिंग के साथ-साथ, टीएचडीसी की संचालित परिसंपत्तियाँ जैसे जलविद्युत, थर्मल, पवन, सौर एवं अन्य ऊर्जा क्षेत्रों में भी पूर्ण क्षमता एवं उच्च दक्षता के साथ कार्यरत हैं। यह बताते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अभी तक हमारी सभी परियोजनाओं से कुल 9005.6 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया जा चुका है, जो पिछले पूरे वर्ष के उत्पादन 6079.39 मिलियन यूनिट, से कहीं अधिक है। यह उपलब्धि हमारी परिचालन दक्षता, सुदृढ़ परिसंपत्ति प्रबंधन और आप सभी के निरंतर समर्पण का सशक्त प्रमाण है।

साथियों, हमारे सामूहिक प्रयासों, निरंतर परिश्रम और प्रतिबद्धता का सकारात्मक प्रभाव हमारे वित्तीय प्रदर्शन में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मुझे यह साझा करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में टीएचडीसी का लाभ 599.08 करोड़ रुपये से बढ़कर 732.91 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। यह वृद्धि हमारी कार्यकुशलता, अनुशासन और संगठन के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को दर्शाती है। मुझे पूरा विश्वास है कि अपने समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी हम इसी विकास की गति को बनाए रखेंगे।

हमारी इस मजबूत वित्तीय स्थिति को बाहरी संस्थाओं द्वारा भी मान्यता मिली है। इस वर्ष के दौरान प्रतिष्ठित रेटिंग एजेंसी मेसर्स आईसीआरए लिमिटेड द्वारा टीएचडीसी की क्रेडिट रेटिंग को “AA” से बढ़ाकर “AA+” किया जाना, हमारे संगठन की वित्तीय सुदृढ़ता, सुशासन और भविष्य की विकास क्षमता में उनके विश्वास को दर्शाता है। साथियों, यह वित्तीय मजबूती हमें भविष्य की परियोजनाओं और राष्ट्र निर्माण से जुड़े प्रयासों को आगे बढ़ाने की क्षमता भी देती है।



भविष्य की दृष्टि से, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड इन उपलब्धियों की मजबूत नींव पर आगे बढ़ते हुए देश के विभिन्न राज्यों में जलविद्युत, पंप स्टोरेज एवं नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से अपनी उपस्थिति को और सुदृढ़ कर रही है। 444 मेगावाट की विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना कठिन भौगोलिक एवं पर्यावरणीय चुनौतियों के बावजूद संतोषजनक प्रगति कर रही है। परियोजना की प्रथम इकाई की कमीशनिंग की दिशा में कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है, जिससे इसके शीघ्र परिचालन में आने की आशा है। दिसंबर 2023 में अरुणाचल प्रदेश सरकार के साथ 1200 मेगावाट की कलाई-II जलविद्युत परियोजना के लिए किए गए समझौता ज्ञापन के अंतर्गत वैधानिक स्वीकृतियों एवं निवेश अनुमोदन की प्रक्रिया भी प्रगति पर है।

इसी क्रम में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ एवं कर्नाटक राज्यों में ऊर्जा परियोजनाओं के विकास हेतु राज्य सरकारों एवं संबंधित संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापनों के माध्यम से ठोस पहल की गई है, जो स्वच्छ, विश्वसनीय एवं दीर्घकालिक ऊर्जा अवसंरचना के विस्तार के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

साथियों, उपलब्धियों के साथ-साथ इस यात्रा में हमें कुछ गंभीर चुनौतियों और भावनात्मक क्षणों का भी सामना करना पड़ा। 15 नवंबर, 2025 को हमारे आदरणीय पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय का आकस्मिक निधन हुआ। उन्होंने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को ऊर्जा क्षेत्र में एक विश्वसनीय, सशक्त एवं दूरदर्शी संगठन के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यद्यपि उनका जाना हम सभी के लिए एक गहरा भावनात्मक आघात रहा, तथापि उनके द्वारा स्थापित मूल्य, कार्य-संस्कृति और संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आज भी संगठन की कार्यप्रणाली का मार्गदर्शन कर रही है। उनकी यही सोच कि किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति उसके लोग होते हैं, टीएचडीसी की कार्य-संस्कृति की आधारशिला है।

इसी विश्वास के साथ, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड का प्रबंधन अपने कर्मचारियों को संगठन की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी मानता है। मानव संसाधन विकास, कौशल उन्नयन, कार्यस्थल कल्याण, स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा बेहतर कार्य-जीवन संतुलन सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर पहल की जा रही हैं। हमारा दृढ़ विश्वास है कि सशक्त कर्मचारी ही संगठन की सतत प्रगति का आधार होते हैं। आप ही टीएचडीसी की वास्तविक शक्ति और रीढ़ हैं। विशेष रूप से, मैं हमारे युवा साथियों एवं नव-प्रवेशी कर्मियों से यह अपेक्षा करता हूँ कि वे डिजिटल नवाचार, आधुनिक कार्य प्रणालियों और तकनीकी दक्षता को संगठन की कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाएं। बदलते समय में नई सोच, डेटा-आधारित निर्णय प्रक्रिया और स्मार्ट वर्किंग मॉडल हमारी कार्यकुशलता को नई दिशा देंगे।

साथियों, वर्ष 2026 हमारे लिए अवसरों और आकांक्षाओं का वर्ष होगा। यह समय केवल लक्ष्यों को प्राप्त करने का ही नहीं, बल्कि स्वयं को एक बेहतर आवरण में ढालने का भी है। इस नववर्ष पर मैं आप सभी से दो महत्वपूर्ण संकल्प लेने का आग्रह करता हूँ। पहला संकल्प—अपने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को समान महत्व देने का, ताकि कार्य-जीवन संतुलन, मानसिक स्पष्टता और सकारात्मक सोच को अपने दैनिक कार्य का अभिन्न हिस्सा बनाया जा सके। दूसरा संकल्प—प्रत्येक कार्य, प्रक्रिया और परियोजना में अनुकूलन (Optimization) एवं लागत अनुशासन को प्राथमिकता देने का, ताकि परियोजनाएँ निर्धारित लागत और समय-सीमा के भीतर पूर्ण हों तथा संगठन की वित्तीय सुदृढ़ता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और अधिक मजबूत हो।

आज जब हमारा देश 'विकसित भारत @2047' के विजन को साकार करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है, तब सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और उनके प्रत्येक कर्मचारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि हम सभी अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी, गुणवत्ता और राष्ट्रहित की भावना के साथ करेंगे, तो टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड न केवल ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी रहेगा, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की इस यात्रा में भी एक सशक्त भागीदार के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा। आइए, हम सब मिलकर सहयोग, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अपना सक्रिय योगदान दें।

इसी विश्वास के साथ, मैं आप सभी को एक बार पुनः नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।
स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें।

धन्यवाद!

सिपन ठाकुर

(सिपन कुमार गर्ग)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक



माननीय केंद्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री ने टीएचडीसी की 1000 मे.वा. टिहरी पीएसपी की तीसरी यूनिट की सीओडी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक आरंभ किया



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने 9 दिसंबर, 2025 को उत्तराखंड के टिहरी में 1000 मे.वा. वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज प्लांट की तीसरी यूनिट (250मे.वा.) की वाणिज्यिक संचालन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक शुरू करके एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। यह उपलब्धि भारत के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है। जिसने टिहरी पीएसपी को देश का पहला वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज प्लांट और किसी भी सेंट्रल पब्लिक सेक्टर इंटरप्राइजेज़ द्वारा संचालित किया जा रहा अपनी तरह का सबसे बड़ा पीएसपी बना दिया है। पहली और दूसरी यूनिटों की सीओडी प्रक्रिया जून और जुलाई, 2025 में प्रारंभ होने के बाद अब तीसरी यूनिट की सीओडी प्रक्रिया की शुरुआत से टीएचडीसी की टेक्नोलॉजिकली एडवांस्ड और ग्रिड-रिस्पॉन्सिव हाइड्रोपावर सॉल्यूशन देने में लीडरशिप और मज़बूत हो गई है।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर माननीय केंद्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री, भारत सरकार, श्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से तीसरी यूनिट का वाणिज्यिक संचालन आधिकारिक तौर पर शुरू किया। इस अवसर पर माननीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के राज्य मंत्री, श्री श्रीपाद नाइक और माननीय ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, श्री ए. के. शर्मा भी उपस्थित रहे जिनका श्री सिपन कुमार गर्ग, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसीआईएल ने स्वागत किया।

इस अवसर पर विद्युत क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे, जिनमें श्री पंकज अग्रवाल (आईएएस), सचिव, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार; श्री घनश्याम प्रसाद, चेयरपर्सन सीईए; श्री नरेंद्र भूषण (आईएएस), अपर मुख्य सचिव, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत, उत्तर प्रदेश सरकार; श्री पीयूष सिंह (आईएएस), अपर सचिव, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार; श्री गुरदीप सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनटीपीसी; श्री मोहम्मद अफजल, संयुक्त सचिव (हाइड्रो), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार भी उपस्थित थे।

श्री मनोहर लाल, माननीय केंद्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री, भारत सरकार, ने अपने संबोधन में टीएचडीसी की टीम को टिहरी पीएसपी की तीसरी यूनिट की सीओडी प्रक्रिया के सफलतापूर्वक शुरू होने पर बधाई दी। माननीय मंत्री ने इस बात पर बल दिया कि बिजली की खपत लगातार बढ़ने के साथ, पीएसपी जैसे स्टोरेज एसेट चौबीसों घंटे विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए बहुत ज़रूरी हैं। 1000 मे.वा. का टिहरी पीएसपी, जिसकी चार में से तीन यूनिटें अब पूरी तरह से चालू हो रहीं हैं, एक मज़बूत और भरोसेमंद पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का उदाहरण है और वर्ष 2047 तक माननीय प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के विज़न को साकार करने में योगदान दे रहा है।

श्री श्रीपाद नाइक, माननीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के राज्य मंत्री, ने कहा कि टीएचडीसी पंप स्टोरेज समाधानों के विकास में एक अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र संगठन के रूप में उभर रहा है। टिहरी पीएसपी की दो यूनिट पहले ही वाणिज्यिक संचालन में हैं और तीसरी यूनिट भी सफलतापूर्वक शुरू हो गई है, जिससे निगम 1000 मेगावाट क्षमता वाले इस परियोजना को पूर्ण रूप से कमीशन करने की दिशा में दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कई अतिरिक्त पंप स्टोरेज परियोजनाएँ पाइपलाइन में हैं, जो टीएचडीसी को देश के भविष्य के ग्रिड के लिए आवश्यक स्टोरेज अवसंरचना के एक प्रमुख प्रेरक के रूप में स्थापित करती हैं।

श्री पंकज अग्रवाल (आईएएस), सचिव, विद्युत मंत्रालय ने टीएचडीसी टीम को इस उत्कृष्ट वर्ष के लिए हार्दिक बधाई दी, जिसमें 1320 मेगावाट के खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट की दोनों इकाइयों का सफलतापूर्वक चालू होना तथा टिहरी पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट की तीन यूनिटों का वाणिज्यिक संचालन शामिल है।

श्री गुरदीप सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनटीपीसी ने टीएचडीसी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पावर सेक्टर के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। ऐसे समय में जब देश विश्वसनीय ऊर्जा-भंडारण समाधानों की बढ़ती आवश्यकता से जूझ रहा है, यह विकास पीक डिमांड के दौरान सुनिश्चित एवं स्थिर बिजली आपूर्ति की क्षमता को उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ करता है।

श्री सिपन कुमार गर्ग, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने लगातार मार्गदर्शन और सहयोग के लिए माननीय केंद्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री, भारत सरकार, का आभार व्यक्त किया। उन्होंने माननीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के राज्यमंत्री और माननीय ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार का भी उनके प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने विद्युत मंत्रालय, सीईए और एनटीपीसी के निरंतर मार्गदर्शन और सहायता के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर श्री एल. पी. जोशी, मुख्य तकनीकी अधिकारी, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना), श्री नीरज वर्मा, कार्यपालक निदेशक (प्रभारी), श्री एम. के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (टीसी), डॉ अमर नाथ त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा० सा० एवं प्रशा. व के.सं.) के साथ टीएचडीसी के वरिष्ठ अधिकारी और प्रोजेक्ट कंसोर्टियम के प्रतिनिधि, जीई वर्नोवा, एचसीसी और पावर सेक्टर के अन्य हितधारक उपस्थित थे।



THDCIL CMD Pays Courtesy Visit to Hon'ble Chief Minister of Uttarakhand



Sh. Sipan Kumar Garg, CMD, THDCIL, paid a courtesy visit to Hon'ble Chief Minister of Uttarakhand, Sh. Pushkar Singh Dhami, at CM residence, Dehradun on 27 December, 2025. During the meeting, Sh. Garg briefed Hon'ble Chief Minister on the ongoing and upcoming initiatives, as well as the status of various Power projects of THDCIL in the State and other parts of the country.

Appreciating THDCIL's contribution to Uttarakhand's development, and Nation building, Hon'ble Chief Minister assured full cooperation and support from the State Government for the successful execution of THDCIL's initiatives contributing to national development.

THDCIL Shines at Inter CPSU Bridge Tournament; Men's Team Bags Second Position



Sh. Sipan Kumar Garg, Chairman and Managing Director, THDCIL applauded Men's Team of THDC for securing Second Prize in the 29th Inter CPSU Bridge Tournament 2025 organized under the aegis of the Power Sports Control Board (PSCB), Ministry of Power, Govt. of India from 17th December 2025 to 19th December 2025. Sh. Garg appreciated the team's dedication, coordination, and competitive spirit displayed throughout the tournament and stated that such accomplishments reflect the strong sporting culture within the organization. He emphasized that THDC India Limited remains deeply committed to sports development, not only among its employees but also through a broader, positive outlook towards promoting sports at various levels. He cited the establishment of the High Performance Water Sports Academy at Koteswar, Uttarakhand, as a significant milestone reflecting THDCIL's proactive commitment to nurturing sports excellence, adventure sports and tourism, and youth development in the country. He emphasized that employee well-being and holistic development remain central to THDCIL's organizational philosophy, reflecting the organization's commitment beyond core power generation. Through structured training programs, sports initiatives, and continuous encouragement, THDCIL consistently motivates its employees to excel both professionally and personally, fostering a healthy work-life balance, he added.

Team THDCIL, comprising Dr. Niraj Kumar Aggarwal, GM (D &E Civil) (Team Manager), Sh. Ajay Kumar Kansal, GM (Services) (Captain), Sh. Harish Chandra Upadhyay, DGM (G &G), Sh. Robin Singhal, Sr. Manager (DF Sect.), Sh. Abhishek Sharma, Dy. Manager (SPP) and Sh. Kalyan Dutta, Jr. Officer (CTO Sect.) displayed exceptional skills, coordination, and strategic acumen to secure a commendable Second Prize in the Team Event during the tournament. The tournament witnessed participation from 11 teams representing various organizations of Power Sector, reflecting high standards of competition, teamwork, and sportsmanship. The event was hosted by Power Finance Corporation Limited (PFC Ltd.) under the aegis of the PSCB at New Delhi.



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के नेतृत्व में उत्तराखंड के छात्रों को 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण चित्रकला प्रतियोगिता 2025' में सम्मानित किया गया



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड और उत्तराखंड राज्य के लिए यह गर्व का क्षण रहा, जब राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस-2025 के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर की चित्रकला प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले चार छात्र एवं छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 14 दिसंबर, 2025 को आयोजित किया गया। यह उपलब्धि न केवल टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (उत्तराखंड राज्य की नोडल एजेंसी) की युवा पीढ़ी के मध्य ऊर्जा संरक्षण जागरूकता को बढ़ावा देने की

प्रतिबद्धता को उजागर करती है, बल्कि संगठन और राज्य को प्रतिष्ठा और पहचान भी दिलाती है। यह प्रतियोगिता भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के तहत ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) द्वारा आयोजित की गई थी। भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (एनईसीए)- 2025 और ऊर्जा संरक्षण पर राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता-2025 के विजेताओं को सम्मानित किया।

सभा को संबोधित करते हुए, भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण, ऊर्जा का सबसे पर्यावरण के अनुकूल और विश्वसनीय स्रोत है। ऊर्जा संरक्षण सिर्फ एक विकल्प नहीं है, बल्कि आज के समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि ऊर्जा की बचत करने का अर्थ सिर्फ कम उपयोग करना नहीं है, बल्कि ऊर्जा का बुद्धिमान से, जिम्मेदारी से और कुशलता से उपयोग करना है।

माननीय केंद्रीय विद्युत और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री, श्री मनोहर लाल ने कहा कि भारत वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन का नेतृत्व कर रहा है, जो वैश्विक तापमान वृद्धि को 2°C से नीचे रखने के लक्ष्य के अनुरूप है। उन्होंने ऊर्जा दक्षता में सुधार की प्रभावशाली दर के साथ भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि पर भी प्रकाश डाला।

माननीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री, श्री श्रीपाद नाइक ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कारों ने ऊर्जा संरक्षण में अनुकरणीय प्रयासों को पहचानने की एक सुदृढ़ परंपरा को बढ़ावा दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऊर्जा संरक्षण केवल प्रौद्योगिकी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हमारे व्यवहार में बदलाव के बारे में भी है।

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के सचिव, श्री पंकज अग्रवाल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को भारत की विकास रणनीति के केंद्र में रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा, हरित विकास और विकसित भारत 2047 का विजन केवल विवेकपूर्ण ऊर्जा उपयोग से ही प्राप्त किया जा सकता है।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री सिपन कुमार गर्ग ने इस उपलब्धि पर विजेताओं और उत्तराखंड राज्य को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता जैसी पहल ऊर्जा संरक्षण के बारे में बड़े पैमाने पर जागरूकता फैलाने के लिए असरदार प्लेटफॉर्म का काम करती हैं, साथ ही बच्चों को हरित भविष्य के लिए सततता का एंबेसडर बनने के लिए प्रेरित करती हैं। उत्तराखंड से गुप-ए से कुमारी पीहू रानी और मास्टर रिदम दास और गुप-बी से कुमारी इशिता कुमारी और कुमारी शताक्षी वत्स, को समारोह के दौरान सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। इस मौके पर श्री नीरज वर्मा, कार्यपालक निदेशक (प्रभारी, एनसीआर कार्यालय), डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा. व केन्द्रीय संचार), श्री ए. के. विश्वकर्मा, उप महाप्रबंधक (मा.सं.) (नोडल ऑफिसर-उत्तराखंड) के साथ टीएचडीसीआईएल, विद्युत मंत्रालय एवं अन्य पीएसयू के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।



खुर्जा कार्यालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन



खुर्जा एसटीपीपी कार्यालय में 24 दिसंबर, 2025 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री बिनोद कुमार साहू, मुख्य महाप्रबंधक, परियोजना ने आमंत्रित मुख्य वक्ता श्री प्रेमसिंह, पूर्व संयुक्त निदेशक (राजभाषा विभाग) को प्लाटर् भेंट कर सम्मानित किया। कार्यशाला को दो सत्रों में संचालित किया गया। प्रथम सत्र में पारिभाषिक शब्दावली तथा द्वितीय सत्र में हिंदी वर्तनी व कार्यालयीन हिंदी की विस्तृत जानकारी सभी प्रतिभागी कर्मिकों को दी गई। उक्त कार्यशाला में 24 अधिकारियों/कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। श्री यशवंत सिंह नेगी, कनिष्ठ हिंदी अधिकारी ने कार्यशाला में उपस्थित कर्मिकों को हिंदी में कामकाज करने के लिए प्रेरित किया और कार्यशाला का संचालन किया। श्री दिलीप कुमार द्विवेदी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन / राजभाषा अधिकारी) ने आमंत्रित मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागी कर्मिकों का धन्यवाद ज्ञापन किया।



टीएचडीसी को पीआरएसआई द्वारा ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशन कॉन्फ्रेंस-2025 में सोशल मीडिया के बेहतरीन इस्तेमाल के लिए नेशनल अवार्ड्स से सम्मानित किया गया



टीएचडीसी को 47वें ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशन कांफ्रेंस-2025 में 'कॉर्पोरेट कैम्पेन में सोशल मीडिया के सर्वश्रेष्ठ उपयोग' और 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट रिपोर्ट' कैटेगरी में प्रथम पुरस्कार प्रदान किये गए। यह पुरस्कार पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ़ इंडिया (PRSI) द्वारा होटल एमराल्ड, देहरादून, उत्तराखंड में आयोजित कॉन्फ्रेंस में प्रदान किये गए।

श्री सिपन कुमार गर्ग, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने इस उपलब्धि पर टीम टीएचडीसीआईएल को बधाई दी और कहा कि यह सम्मान संगठन के पारदर्शी, सुसंगत और परिणाम-उन्मुख कम्युनिकेशन फ्रेमवर्क को दिखाती है। श्री गर्ग ने कहा कि टीएचडीसी द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्म का रणनीतिक इस्तेमाल और सस्टेनेबिलिटी पहलों पर इसके फोकस्ड कम्युनिकेशन ने संगठन को अपनी डेवलपमेंट कहानी को प्रभावी ढंग से बताने में मदद की है, जिसमें स्वच्छ ऊर्जा के प्रति इसकी मज़बूत प्रतिबद्धता और भारत के पहले 1000 मेगावाट वेरिफ़ेबल स्पीड टिहरी पंप स्टोरेज प्लांट में इसके अग्रणी प्रयास शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह का भरोसेमंद और ज़िम्मेदार कम्युनिकेशन स्टेकहोल्डर का भरोसा बढ़ाता है और राष्ट्र निर्माण में टीएचडीसी की भूमिका को मज़बूत करता है।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की ओर से ये अवॉर्ड डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. और केन्द्रीय संचार) ने प्राप्त किए। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि यह राष्ट्रीय पहचान एक सामूहिक संस्थागत प्रयास और ज़िम्मेदार कम्युनिकेशन के प्रति एक स्ट्रक्चर्ड अप्रोच को दिखाती है। उन्होंने कहा कि निगम का डिजिटल आउटरीच सिर्फ़ विज़िबिलिटी के लिए नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और लगातार स्टेकहोल्डर जुड़ाव के लिए एक भरोसेमंद माध्यम के तौर पर डिज़ाइन किया गया है।

यह सम्मान टीएचडीसी द्वारा सोशल मीडिया के प्रभावी इस्तेमाल को मान्यता देता है, जिसके ज़रिए कंपनी अपनी संगठनात्मक उपलब्धियों, प्रोजेक्ट के अहम पड़ावों, सस्टेनेबिलिटी पहलों और जनहित की जानकारी को एक व्यापक और पारदर्शी सस्टेनेबल डेवलपमेंट

रिपोर्ट के साथ साझा करती है, जो संगठन की पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस (ESG) प्रतिबद्धताओं को दर्शाती है, जिससे उसकी कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा और पहुंच बढ़ती है।

VPHEP Achieves Major Construction Milestone with Erection of Spillway Radial Gates



The 444 MW VPHEP has achieved a significant milestone with the commencement of erection of Spillway Radial Gates in the overflow section of Dam Block No. 4 on 19 December, 2025.

Sh. Sipan Kumar Garg, Chairman and Managing Director, THDC India Limited congratulated team VPHEP on this achievement and stated that the initiation of the first-stage embedment erection of the radial gate in overflow block no. 4 at Elevation (EL) 1229.58 M marks a critical advancement towards the

installation of major Hydro-Mechanical equipment of the project. Sh. Garg added that the achievement reflects continued progress in the execution of critical components of the project and marks an important stage in the ongoing construction activities being undertaken in a phased and systematic manner. Sh. Ajay Verma, CGM (P), lauded the Hydro-Mechanical Unit, M/s HCC, M/s PES, and all associated teams for their exemplary dedication, sustained efforts, and unwavering commitment in achieving this important milestone. The occasion was witnessed by Sh. R. P. Mishra, GM (Dam); Sh. K. P. Singh, GM (TBM & PH); Sh. Ravindra Singh Rana, GM (EM); Sh. Sanjay Mamgain, AGM (HM); Sh. A. K. Srivastava, AGM (F&A); Sh. B. S. Pundir, AGM (Planning & Safety); Sh. Anil Nautiyal, DGM (HM), along with other senior officials of THDC and representatives of M/s HCC.



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता...समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...

Hydro Static Testing of Spiral Case for Unit-2 Successfully Completed at VPHEP



VPHEP (4x111 MW) of THDC India Limited achieved a significant milestone on 03rd December, 2025 with the successful completion of the Hydro Static Testing (HST) of the Spiral Case of Unit-2 at the Power House.

Sh. Sipan Kumar Garg, CMD, THDCIL congratulated Team VPHEP on this achievement and said that the successful completion of the HST for Unit-2 marks a major stride forward in the construction progress of VPHEP. Hydrostatic Testing is a critical phase in the development of hydroelectric projects, conducted to ensure the structural integrity, durability, and

safety of major components under the designed water pressure. Completion of the Hydro Static Testing of the Spiral Case of Unit-2 is a major engineering milestone that reflects the collective resolve, technical proficiency, and seamless coordination of the VPHEP team and other associated partners. The occasion was graced by Sh. Ajay Verma, HOP (VPHEP), along with Sh. Ravindra Singh Rana, GM (EM), Sh. Sanjay Mamgain, AGM (HM/Mechanical), Sh. Ajay Kumar, AGM (G&G), Sh. A.K. Srivastava, AGM (F&A), Sh. Karan Bargali, DGM (EM), and other senior officials.

मंजरी लेडीज़ क्लब, खुर्जा द्वारा मेस कर्मचारियों के बीच जैकेट का वितरण



मंजरी लेडीज़ क्लब द्वारा खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना में कार्यरत सभी मेस कर्मचारियों के बीच 10 दिसंबर, 2025 को शीतकालीन जैकेट का वितरण किया गया। समाजसेवा, मानवीय सहयोग तथा कर्मचारी कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर आगे बढ़ाते हुए क्लब ने इस वर्ष भी ठंड के मौसम में कर्मचारियों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह पहल की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को कठोर शीत लहर से बचाव हेतु आवश्यक पहनावा उपलब्ध कराते हुए उनके कार्य परिवेश को और अधिक सुरक्षित एवं आरामदायक बनाना था। इस अवसर पर मंजरी लेडीज़ क्लब की अध्यक्ष श्रीमती बिनिता शरद तथा सभी सदस्याएं व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहीं और उन्होंने प्रत्येक मेस कर्मचारी को गुणवत्तापूर्ण जैकेट प्रदान किए।

नई ऊर्जा - नया जोश: टीएचडीसी परिवार में आप सभी का हार्दिक स्वागत है...



श्री चेत्रोलु चेन्ना राव
उप प्रबंधक (कोल माइन परि.)
अमेलिया



श्री सिद्धार्थ रंजन
अभियंता (माइनिंग)
अमेलिया



श्री मनीष मानिक डोंगरे
अभियंता (माइनिंग)
अमेलिया



श्री सुभाष कुमार
अभियंता (माइनिंग)
अमेलिया



श्री सद्दाम हुसैन
अभियंता (ओ एंड एम)
कोटेश्वर



श्री क्षितिज कुमार
अभियंता (पर्यावरण)
ऋषिकेश



श्री कोसरे अमोल सुधाकर
अभियंता (माइनिंग)
अमेलिया



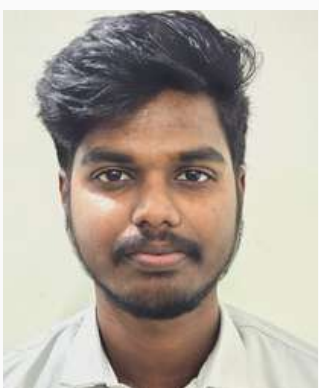
श्री आई साई किरण
अधिकारी (मा.सं.-प्रशा.)
ऋषिकेश



श्री मयंक गोयल
अधिकारी (वित्त)
ऋषिकेश



श्री कुनाल सिंघल
अधिकारी (वित्त)
ऋषिकेश



श्री टी दुर्गा शिव साई प्रसाद
अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण)
पीपलकोटी



श्री पंथांगी हरी प्रसाद
अभियंता (माइनिंग)
अमेलिया



श्री पवन कुमार यादव
अभियंता (योजना)
पीपलकोटी



सुश्री राजश्री
अधिकारी (ई.एम.डी.)
ऋषिकेश



श्री रवि कुमार चौरसिया
अधिकारी (वित्त)
अरुणाचल प्रदेश

चरन्मार्गान्विजानाति।

A wanderer eventually finds the path.

HRD Corner

02-Day Training Program on 'Salient Features of the POSH Act & Gender Sensitization'



A 02-day training program on “Salient Features of the POSH Act & Gender Sensitization” was conducted from 1st to 2nd December, 2025, at THDCIL’s Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, for Executives & Non-Executives respectively, as part of the corporation’s continuous efforts to promote a safe, respectful, and inclusive working environment.

The program aimed to strengthen awareness of workplace safety norms specifically the key provisions of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013, commonly known as the POSH Act; the roles and responsibilities of employers, employees, and the Internal Committee (IC); and equip participants with the necessary understanding of gender-sensitive behaviour by addressing stereotypes, biases, and communication patterns that influence workplace interactions.

04-Day Executive Trainees Refresher Program & Final Evaluation



A 04-Day “Executive Trainees Refresher Program & Final Evaluation” was conducted at the HRD Centre from 2nd to 5th December 2025, for the Executive Trainees who have joined the organization in various disciplines during the months of September to December, 2024.

The objective of the program was to strengthen the professional competencies of Executive Trainees, revisiting essential skills learned during induction, and assessing their preparedness for operational responsibilities.

The 04-day program involved Orientation Training, which was commenced with a formal welcome and a briefing on the objectives of the refresher program, followed by the lecture sessions delivered by the in-house senior faculties on topics such as, corporation’s vision, mission, and organizational structure; key policies, service rules, and employee responsibilities, ethical conduct, workplace behaviour, and standards of performance. The final day of the program on 5th Dec, 2025, was dedicated to assessment and evaluation of the trainees through a PPT presentation on their learning, followed by a personal interview.

Training Program on “SPARROW MODULE”

In alignment with the Government of India’s initiative to strengthen digital and transparent performance management systems, a training program on the SPARROW (Smart Performance Appraisal Report Recording Online Window) Module was organized on 12th December, 2025, in hybrid mode at THDCIL’s Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, for the executives (E8–E9 level) across all locations.

The primary objective of the training was to enhance awareness about the basics, methodology and process flow of the new modules in HRMS and SPARROW Platform. This training program aimed to mitigate and minimize errors in filling out/approving, and reviewing APARs by Appraisees, Reporting Officers/Reviewing Officers/ Accepting Officers through this awareness session.



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता...समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...

HRD Corner

06-Day Orientation Program for New Joinees



An Orientation Program for newly joined employees was conducted from 15th to 20th December, 2025, at THDCIL's Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh.

This 06-day orientation program included classroom training from 15th to 19th Dec, 2025, in which sessions on various topics such as Vision, Mission & Values of THDCIL, Evolution of THDCIL & Overview of its Projects, HR Policies of THDCIL, Organization Structure, CDA

Rules, Communication, FMS & HRMS Modules, etc. were delivered by a mix of Internal & External Faculties. The program also included a Nature Walk & Herbal Detoxification session to make the new joiners aware of the importance of a healthy body and mind. The program was followed by the Technical Visit to Tehri Project on 20th December, 2025.

The main objectives of the orientation program were to welcome and formally introduce new joiners to the organization, various departments and their functions and to promote interaction and team bonding among new employees.

The feedback received from the participants was largely positive. Participants expressed that the orientation helped them gain clarity about organizational expectations, policies, and their roles and also to begin their professional journey within the organization with confidence.

MTB Northeast International 2025: THDC India Limited's Engagement in Arunachal Pradesh



THDC India Limited marked its presence at the MTB Northeast International 2025, a three-day international cycling event held from 29th to 31st December, 2025 in Arunachal Pradesh, organized by MTB Northeast. The event witnessed participation from national and international cyclists and traversed ecologically rich stretches of the Lohit and Anjaw districts, culminating at Kaho, India's easternmost village. The Arunachal Power Project (APP) Unit of THDC India Limited was associated with the event, reflecting the organization's continued engagement with youth-centric, fitness-oriented and sustainable initiatives in the region. The interaction with local communities, including the Tai Khamti, Mishmi, and Meyor tribes, and the presence of State administration representatives during the closing ceremony highlighted the event's broader outreach and its alignment with regional development and responsible tourism in Arunachal Pradesh.



सामाजिक सुरक्षा के दायरे को और विस्तृत करेंगी चार नई श्रम संहिताएं

ज़ोमैटो से फूड ऑर्डर करना हो या अमेज़न से कोई प्रोडक्ट मंगवाना हो, हर रोज हम विभिन्न प्रकार की ऑनलाइन सेवाओं का आनंद लेते हैं। हम और आप भले ही ऑनलाइन युग में प्रवेश कर गए हों लेकिन भारत के कई श्रम कानून आज भी कई दशक पुराने हैं, जो मौजूदा दौर में तेजी से अप्रासंगिक होते जा रहे हैं। उदाहरण के तौर पर ऑनलाइन सेवा प्रदान करने वाले सभी गिग वर्कर्स, असंगठित तथा ठेका श्रमिकों जैसे कई बड़े श्रमिक वर्ग सामाजिक सुरक्षा के दायरे से बिल्कुल बाहर थे। बदलते औद्योगिक परिदृश्य, निजीकरण और असंगठित क्षेत्र के विस्तार को देखते हुए श्रम सुधारों की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए 21 नवम्बर, 2025 को भारत सरकार ने चार नई श्रम संहिताएं लागू की हैं। इन चार संहिताओं में 'कोड ऑन वेजेज (2019)', 'इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड (2020)', 'कोड ऑन सोशल सिव्योरिटी (2020)' और 'ऑक्यूपेशनल



श्री दिलीप कुमार द्विवेदी
उप महाप्रबंधक (मा. सं.)
खुर्जा



डॉ. प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)
खुर्जा

सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड (2020)' शामिल हैं। यह कदम 29 मौजूदा श्रम कानूनों को सुव्यवस्थित करेगा और औपनिवेशिक काल की पुरानी व्यवस्थाओं से हटकर आधुनिक वैश्विक प्रवृत्तियों के अनुरूप होगा। इनका उद्देश्य श्रम कानूनों को आधुनिक बनाना, नियमों को सरल करना, श्रमिक कल्याण और सुरक्षा को सुदृढ़ करना तथा उद्योग एवं निवेश को प्रोत्साहित करने वाला माहौल तैयार करना है। इन नई श्रम संहिताओं के लागू होने से रोजगार, वेतन और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्रों में आने वाले समय में महत्वपूर्ण सुधार होंगे।

नई व्यवस्था के तहत केंद्र सरकार राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन तय करेगी और कोई भी राज्य इससे कम वेतन निर्धारित नहीं कर सकेगा। इससे देशभर में समानता और न्याय सुनिश्चित होने की उम्मीद है। अब हर कर्मचारी चाहे वह संगठित क्षेत्र में हो या असंगठित क्षेत्र में न्यूनतम वेतन का हकदार होगा। पहले न्यूनतम वेतन के नियम राज्य और क्षेत्र के अनुसार अलग-अलग थे, जिससे कई श्रमिक इसके दायरे से बाहर रह जाते थे। अब कर्मचारियों की सैलरी का कम से कम 50% हिस्सा बेसिक सैलरी (मूल वेतन) होगा। यह नियम 'कोड ऑन वेजेज' के तहत लागू हुआ है। इसका मतलब है कि अब प्रोविडेंट फंड (PF) और ग्रेच्युटी (Gratuity) में जाने वाला पैसा बढ़ जाएगा। दीर्घकाल में यह सेवानिवृत्ति योजना को मजबूत करेगा, सामाजिक सुरक्षा लाभ बढ़ाएगा और वित्तीय स्थिरता प्रदान करेगा। हाल के वर्षों में भारत में गिग अर्थव्यवस्था का तेजी से उदय हुआ है। इसमें श्रमिकों को विशिष्ट कार्य या "गिग" के लिए अल्पकालिक तौर पर नियुक्त किया जाता है और भुगतान प्रति कार्य, डिलीवरी, राइड या प्रोजेक्ट के आधार पर होता है। यह व्यवस्था अक्सर डिजिटल प्लेटफॉर्म और मोबाइल ऐप्स के माध्यम से संचालित होती है। गिग अर्थव्यवस्था में श्रमिकों को नौकरी की सुरक्षा, सवेतन अवकाश और अन्य पारंपरिक लाभ सामान्यतः उपलब्ध नहीं होते। ऐसे श्रमिकों को पहली बार कानूनी मान्यता देते हुए उन्हें सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया गया है और अब उन्हें भी PF, ESIC, बीमा जैसे लाभ मिल सकेंगे। अब एग्रीगेटर कंपनियों को अपने टर्न ओवर का 1-2 प्रतिशत श्रमिक कल्याण कोष में जमा करना होगा, जिससे श्रमिकों को जीवन बीमा, दिव्यांगता कवर, स्वास्थ्य सहायता जैसे लाभ दिए जा सकेंगे।

नई संहिताओं में नियत-अवधि (फिक्स्ड-टर्म) पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए भी बड़ा बदलाव किया गया है। अब ग्रेच्युटी के लिए पात्रता की अवधि पांच वर्ष की बजाय एक वर्ष कर दी गई है। चूंकि ग्रेच्युटी लंबे समय की सेवा के लिए दी जाने वाली एकमुश्त राशि होती है, इसलिए यह बदलाव अल्पकालिक और परियोजना-आधारित कर्मचारियों की वित्तीय सुरक्षा को काफी बढ़ाएगा। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अब असंगठित क्षेत्र सहित सभी नियोक्ताओं को हर नए कर्मचारी को औपचारिक नियुक्ति पत्र देना अनिवार्य होगा। इससे वेतन, कार्य-भूमिका और सामाजिक सुरक्षा अधिकार सुनिश्चित होंगे। बिना दस्तावेज़ काम करने वाले लाखों श्रमिकों के लिए यह नौकरी की स्थिरता की दिशा में बड़ा कदम है। कार्य-घंटों से संबंधित नियमों में भी स्पष्ट सुरक्षा प्रावधान किए गए हैं। ओवर टाइम करने वाले कर्मचारियों को सामान्य वेतन दर का कम-से-कम दोगुना भुगतान करना होगा।

लैंगिक समानता की दिशा में एक प्रगतिशील कदम के तहत, महिलाओं को सभी क्षेत्रों में नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति दी गई है, बशर्ते उनकी सहमति हो और नियोक्ता पर्याप्त सुरक्षा तथा परिवहन की व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही, लिंग आधारित वेतन भेदभाव पर स्पष्ट रूप से रोक लगाई गई है।

कोरोना के बाद से वर्क फ्रॉम होम कल्चर का चलन काफी बढ़ा है। लेकिन अभी तक इसे पूरी तरीके से मान्यता नहीं मिली हुई थी। बदलते कार्य स्वरूप को ध्यान में रखते हुए, वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था को भी औपचारिक मान्यता दी गई है, विशेषकर सेवा क्षेत्र में। इसे नियोक्ता और कर्मचारी की आपसी सहमति से लागू किया जा सकेगा। अब कंपनियों को 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी कर्मचारियों के लिए निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच उपलब्ध करानी होगी। नियोक्ताओं को अब निर्धारित समय-सीमा के भीतर वेतन भुगतान करना होगा (अब वेतन हर महीने की सात तारीख तक देना अनिवार्य होगा)। इससे असंगठित और संगठित दोनों क्षेत्रों के श्रमिकों को लाभ होगा। श्रमिक सुरक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि घर और कार्यस्थल के बीच आने-जाने के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं को भी रोजगार से संबंधित माना जाएगा, जिससे ऐसे मामलों में मुआवजे का अधिकार सुनिश्चित होगा।

निष्कर्ष: श्रमिक किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होते हैं और उनके बिना किसी भी देश का विकास संभव नहीं है। नई श्रम संहिताएं भारत के श्रम कानूनों में दशकों बाद हुआ सबसे बड़ा सुधार है और भविष्य में इन श्रम सुधारों के व्यापक और दूरगामी परिवर्तन देखने को मिलेंगे। वर्ष 2028 तक भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 5.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा, जिससे भारत जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। यह दावा वैश्विक वित्तीय सेवा कंपनी मॉर्गन स्टेनली की एक रिपोर्ट में किया गया है। लेकिन इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उद्योग, निवेश और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन देना अनिवार्य है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु ऐसे श्रम कानूनों की आवश्यकता थी जो एक ओर श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करें तथा दूसरी ओर निवेशकों के लिए सरल, स्पष्ट और अनुकूल हों। इन श्रम सुधारों के परिणामस्वरूप जहां एक ओर श्रमिकों को अपने अधिकारों की बेहतर समझ प्राप्त होगी, वहीं निवेशकों को एक सरल, स्पष्ट और भरोसेमंद कानूनी ढांचा उपलब्ध होगा। इन संहिताओं के माध्यम से पहली बार गिग वर्कर्स, वर्क फ्रॉम होम सहित नए और उभरते कार्य क्षेत्रों को श्रम कानूनों के दायरे में लाया गया है और उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान की गई है। कुल मिलाकर कहें तो इन नई श्रम संहिताओं के माध्यम से राष्ट्र के विकास को और गति मिलेगी।



Beyond the Desk

Transition from Zone-Based to Addressable Fire Alarm Systems in Underground Hydro Power Plants: A Case Study of VPHEP



Sh. Aman Namdev
Asst. Manager (EMD)
Rishikesh



Sh. Swarnim Pandey
Asst. Manager (EMD)
Rishikesh

Abstract

Fire detection and alarm systems in Indian hydroelectric power plants have historically been implemented using conventional zone-based architectures. While such systems were adequate for earlier projects, their limitations become evident in modern underground powerhouses characterized by extensive cable galleries, distributed auxiliary equipment, and high levels of automation. The Vishnugad Pipalkoti Hydro Electric Project (4X111 MW) incorporates fire detection system which precisely caters event identification and integration of service equipments. This system caters to the detection of fire, activation of suppression system (HVWS or MVWS) and provides alarms in the power plant through siren and hooters. This article presents a case study of VPHEP, examining the transition from zone-based fire detection to an addressable fire alarm system architecture. The article focuses on system philosophy, engineering aspects, and operational benefits, demonstrating why addressable fire alarm systems have become essential for underground hydro power plants.

Introduction

Fire safety is a fundamental requirement in hydroelectric power plants due to the presence of oil-filled equipment, extensive cable networks, confined underground spaces, and limited evacuation routes. Traditionally, fire alarm systems in Indian hydro power projects were based on conventional zone-based detection, where groups of detectors were connected to a single zone and alarms were indicated at zone level.

With increasing project capacity and complexity, particularly in underground powerhouses, zone-based systems have shown limitations in terms of establishing location of faults, response indication, and integration with modern fire service equipment.

This article analyzes the fire alarm philosophy at VPHEP, highlighting the technical reasons driving the adoption of an addressable platform and the benefits realized in underground hydro power environment.

Conventional Zone-Based Fire Alarm Systems: Conventional fire alarm systems operated by grouping multiple detectors into zones. When any detector within a zone operates, the fire alarm panel identifies only the affected zone. The key aspects of such a system are Zone-level alarm indication, limited fault diagnostics, simple wiring topology, and minimal system intelligence. The historical justification for this includes smaller plant layouts, fewer auxiliary systems, lower cable density and predominantly manual response mechanisms.

While robust and cost-effective, zone-based systems rely heavily on physical verification and operator experience, which can delay response in large or inaccessible areas.

Fire Safety Challenges in VPHEP: VPHEP presents the following conditions where conventional zone-based systems are no longer sufficient. Underground Cavern Environment which includes large turbine hall caverns and significant vertical and horizontal distances. Extensive Cable Infrastructure includes dense power, control, and instrumentation cables, increased fire load, and fire propagation risk along cable trays. Distributed Auxiliary Equipment includes auto-backwash strainers, FPC CUM MCC control panel and pumps, valves, and HVAC equipment. Integration with Automation Systems includes PLC- and SCADA-based plant control, requiring the ability to distinguish fire events from technical or equipment-related alarms and avoidance of unnecessary trips and shutdowns. In such conditions, a generic zone-level alarm provides insufficient actionable information.



Addressable Fire Alarm System Philosophy: Addressable fire alarm systems represent a paradigm shift in detection and monitoring philosophy. Each detector or interface module is assigned a unique address, enabling precise identification of events. Key advantages include: exact device-level identification, enhanced fault diagnostics, event classification (fire, fault, supervisory), and improved system survivability. For VPHEP, this approach significantly improves situational awareness and response effectiveness.

Addressable System Architecture Adopted for VPHEP: Fire detection and Alarm (FDA) system include multi-sensor & Photo Electric type detectors, alarm panels, cabling etc. throughout the power house. It incorporates Manual call points, evacuation signals, hooters, alarms distributed strategically throughout the plant for manual intervention and audio-visual alarms. Manual call points shall be so located that, to give an alarm, no person in the premises has to travel distance of more than 30 m to reach them or shall be located preferably near entry to staircases at all levels of Power House building. The FDA system consists of: 1no. Main Fire Alarm Panel located in Central Control room at El.1041.5M, 1no. Main Fire Alarm Panel located in Potyard, 1no. Repeater Panel located in Generator Floor at El.1030.5M, 1no. Repeater Panel located in GIS, Fire detectors and Manual Call Points (MCPs) in various areas of Power House, Linear Heat sensing (LHS) cables for cable spreader rooms and cable galleries, Siren and hooters, Modules for interfacing Main Fire Alarm panel with other systems like HVWS, MVWS and Interconnecting cables.

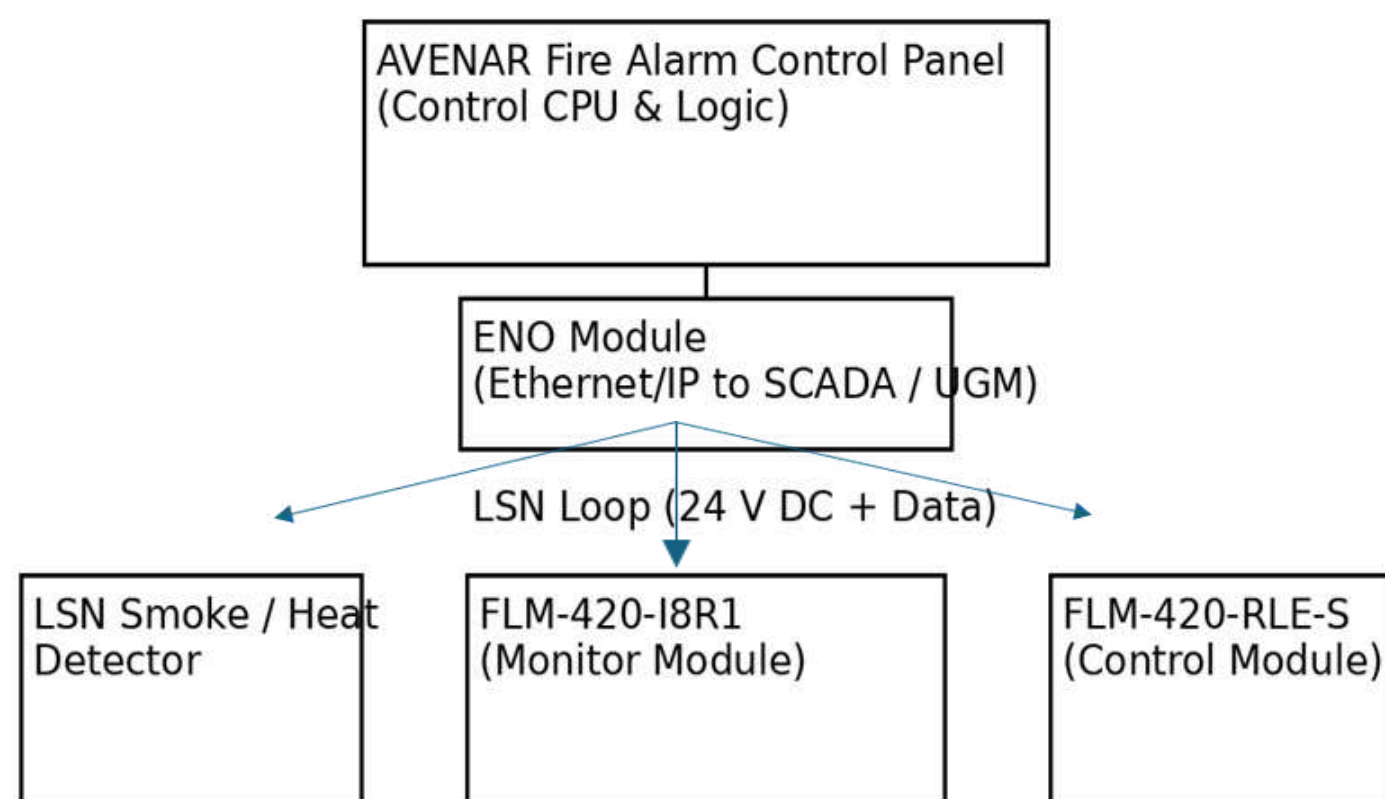


Figure: Conceptual schematic of an LSN-based addressable fire alarm system used in VPHEP, showing the AVENAR control panel, LSN loop devices, FLM modules, and ENO-based integration.

1 Distributed Loop Architecture

The addressable system adopted for VPHEP employs a two-wire loop architecture that simultaneously carries power and digital communication. The loop cable uses the LSN (Local security network) communication protocol, which allows power and digital data to be transmitted simultaneously over a two-wire circuit. This architecture supports long cable runs, fault isolation, and Class-A loop continuity, which are essential in underground installations.

2 Field Interface Modules

A critical feature of the system is the use of field interface modules, enabling non-addressable devices and equipment signals to be integrated into the addressable network. This integration is done using the monitor modules which are connected in vicinity of those non-addressable devices. Typical applications include: Monitoring of equipment status such as incoming signals from FPS CUM MCC control panel and auto-backwash strainer control panel and provision of addressable control outputs for local equipment interlocking with respect to HVAC system. This distributed intelligence reduces extensive hardwired cabling and improves fault localization.



Event Classification: Fire vs Technical Alarms- One of the most significant advantages observed in VPHEP is the ability to classify events. For examples; Smoke detector activation in cable gallery → Fire alarm and Auto-backwash strainer jam → Technical or supervisory alarm. The system logic allows technical alarms to be logged and communicated to plant control systems without triggering evacuation or fire brigade notifications. This distinction was not possible in legacy zone-based systems and is critical for operational stability in hydro power plants.

Integration with Plant Control and Monitoring Systems: The addressable fire alarm system at VPHEP supports integration with external monitoring and control systems through network-based communication. This enables event reporting to SCADA or centralized monitoring, compliance with fire service notification requirements and reduction of hardwired interfaces. A balanced combination of data communication and hardwired outputs ensures both reliability and flexibility.

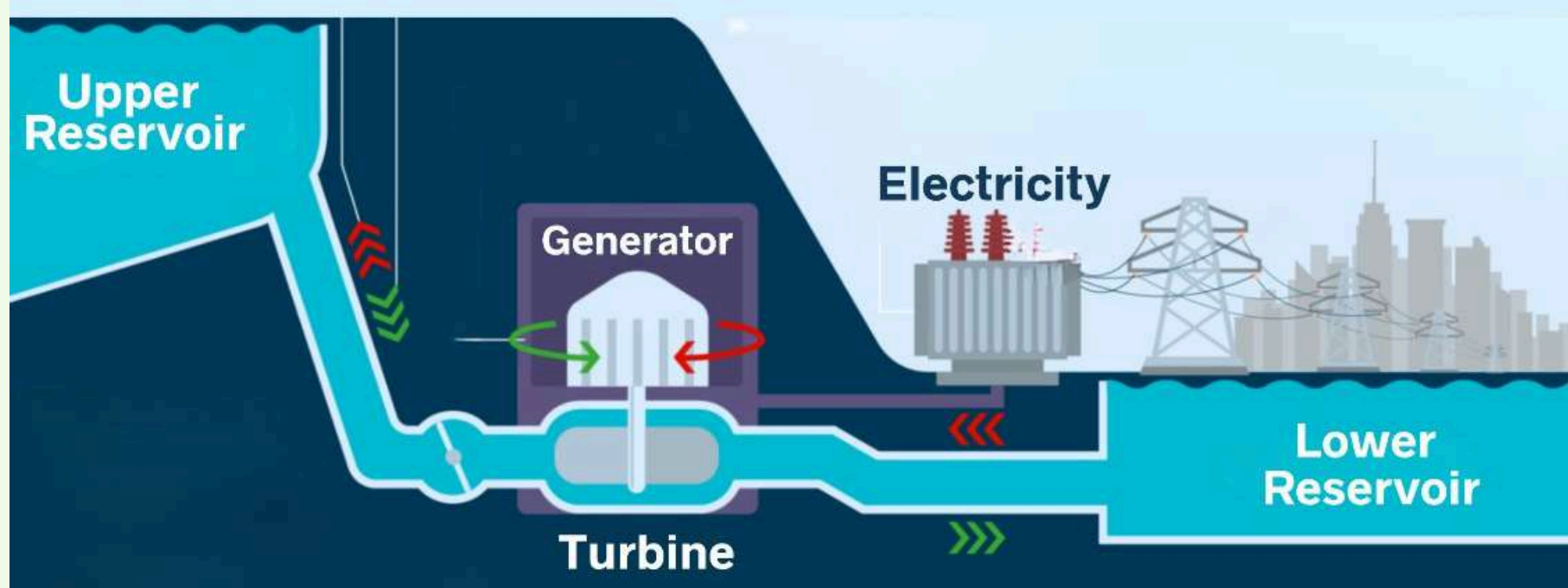
Migration and Flexibility Considerations: Fire detection and alarm system at VPHEP demonstrates that modernization of fire alarm systems does not require the abrupt replacement of all existing infrastructure. The addressable platform supports the integration of legacy conventional devices where necessary, gradual migration toward fully addressable detection, and unified event handling and diagnostics. This flexibility is particularly valuable in large hydro projects with phased commissioning schedules.

Operational and Maintenance Benefits: The transition to an addressable fire alarm system at VPHEP offers tangible benefits like faster identification of fire origin, reduced fault-finding time, improved preventive maintenance, enhanced system diagnostics, event logging, reduction in false alarms and unnecessary plant interruptions. In underground hydro power plants, these benefits directly contribute to improved safety and availability.

भारत की प्रथम वेरिबल स्पीड पम्प स्टोरेज परियोजना टिहरी (1000 मेगावाट)
का कार्य लगभग अंतिम चरण में है और इस परियोजना का बहुआयामी प्रभाव सिर्फ उत्तराखंड ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारतवर्ष पर होगा। टिहरी पीएसपी की **250 मेगावाट** की चार इकाइयों में से तीन इकाइयां (750 मेगावाट) सफलतापूर्वक वाणिज्यिक उत्पादन कर रही हैं एवं एक इकाई (250 मेगावाट) का कार्य भी विश्व-स्तरीय विशेषज्ञों की देख-रेख में अंतिम चरण में है जिसे जल्द ही भारतीय ग्रिड से जोड़ दिया जाएगा।

परियोजना क्षेत्र का सामाजिक-आर्थिक विकास

- पीएसपी जैसी परियोजना न केवल तकनीकी दृष्टिकोण से बल्कि पर्यावरणीय और आर्थिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह भारत को कोयले पर निर्भरता कम करने, कार्बन उत्सर्जन घटाने और हरित विकास की ओर ले जा रही है।
- पीएसपी जैसी परियोजना आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक प्रेरणादायक मिसाल है।
- पीएसपी परियोजना से जुड़े व्यापक निर्माण कार्यों ने क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को उल्लेखनीय रूप से बढ़ावा दिया है। इस परियोजना ने हजारों प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा किए हैं, जिससे इंजीनियरों, कुशल तकनीशियनों और सहायक कर्मचारियों सहित विविध कार्यबल को रोजगार मिला है।



भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं



Sh. S.S. Panwar
CGM (OMS/IT/Cost-
Engineering)
Rishikesh
DOR: 31.12.2025

Sh. S. S. Panwar, Chief General Manager (OMS/IT/Cost Engineering), superannuated from THDCIL on 31st December, 2025. An Electrical & Electronics Engineer from KNIT Sultanpur, he joined THDCIL on 1 May 1993.

He was associated with the Tehri HPP since its initial stages and was involved in the erection, testing, and commissioning of the project. After commissioning, he worked in O&M with focus on safety, reliability, and plant performance, and contributed to strengthening O&M systems and practices. He was among the early contributors to computerization and digital processes in THDCIL. Between 2013 and 2021, he worked as the Electromechanical and Hydromechanical Head at Tehri PSP and handled several critical assignments related to GSUs, GIS, PSP systems, substations, stators, and rotors. During 2021-22, the project achieved a capex utilization of 118 percent. He was also associated with the THDCIL-RRECL JV-cum-SHA signed in January 2023.

At the Corporate Office, he headed functions including IT, Cost Engineering, OMS, QAI, and Safety, and was associated with operational hydro, thermal, wind, and solar plants. He also undertook international assignments related to PSP inspections in France and Switzerland and inspection of imported equipment from Spain. His contributions in THDCIL will always be remembered.



श्री एच. एन. उनियाल
अपर महाप्रबंधक (आई. टी.)
कौशाम्बी
सेवानिवृत्ति: 31-12-2025



श्री भरत सिंह नकोटी
उप-महाप्रबंधक (ओ एंड एम)
कोटेश्वर
सेवानिवृत्ति: 31-12-2025



श्री जे.बी.एस. राणा
उप-प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-12-2025



श्री पद्म दत्त चमोली
सहायक प्रबंधक (मा.सं.-प्रशा.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-12-2025



श्री पी.सी. चमोली
अधिकारी (मा.सं.-प्रशा.)
कोटेश्वर
सेवानिवृत्ति: 31-12-2025



श्री बी.डी. बहुगुणा
अधिकारी (वित्त एवं लेखा)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-12-2025



श्री बीरेंद्र प्रसाद उनियाल
अधिकारी (प्रापण)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-12-2025



श्री वीर सिंह
उप अधिकारी (वाहन ऑपरेटर)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-12-2025



श्री नत्थू सिंह
उप अधिकारी (वाहन ऑपरेटर)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-12-2025



श्रीमती गीता शुक्ला
उप अधिकारी (सा. एवं पर्या.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-12-2025



श्री कपिल राजू
कनिष्ठ कार्यकारी (भूविज्ञान और
भू-तकनीकी)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-12-2025



श्री कदम रसूल
हेल्पर (पी.एस.डी.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-12-2025



श्री हुकुम सिंह रावत
वरिष्ठ चालक (क्यू.सी.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-12-2025



श्रीमती गुड्डी देवी
परिचारक (मा.सं.-प्रशा.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-12-2025



श्री चमन
सफाई कर्मचारी (मा.सं. एवं प्रशा.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-12-2025

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित

फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www.thdc.co.in, ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com

गृह पत्रिका/न्यूज लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)